संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. द्वितीय वर्ष	
सत्र	2020–2021	
विषय	हिंदी साहित्य	
प्रश्न–पत्र	प्रथम	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	अर्वाचीन हिंदी काव्य	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

उद्देश्य (Objective) – आधुनिक हिंदी कवियों और उनकी रचनाओं के अध्ययन द्वारा समसामयिक परिवेश की जटिलताओं, समस्याओं, आकांक्षाओं और अनिवार्यताओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विद्यार्थियों में निर्मित करना।

अधिगम (Course Out Come)

1. साहित्य अध्ययन के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों और परम्पराओं का ज्ञान
2. सृजनात्मक क्षमता का विकास
3. मानवीय संवेदनाओं का बोध
4. स्थानीय रचनाधर्मियों का परिचय

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	निर्धरित कविः मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय तथा मुक्तिबोध की रचनाओं से तीन व्याख्या मैथिलीशरण गुप्त– भारत भारती (भविष्यत् खंड से शिक्षा एवं आशा) जयशंकर प्रसाद– कामायनी (श्रध्दा सर्ग) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुःख की बदली, बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं रामधारी सिंह दिनकर – कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग) अज्ञेय – असाध्य वीणा मुक्तिबोध – ब्रह्मराक्षस नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद

द्वितीय इकाई	मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला एवं महादेवी वर्मा से एक समीक्षात्मक प्रश्न
तृतीय इकाई	रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय एवं मुक्तिबोध एवं नागार्जुन से एक समीक्षत्मक प्रश्न
चतुर्थ इकाई	आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियाँ – भारतेंदु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, नई कविता, समकालीन कविता।
पंचम इकाई	द्रुतपाठ – माखनलाल चतुर्वेदी, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यंत कुमार, **इंद्र बहादुर खरे, द्वारिका प्रसाद मिश्र**

पाठ्य–पुस्तक – अर्वाचीन हिंदी काव्य

प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अंक विभाजनः–

नियमित–40

खण्ड–अ– 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न) 1×5= 05 अंक

खण्ड–ब– लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न) 3×3=9 अंक

खण्ड–स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न) 8×2=16 अंक

ब– व्याख्या (पाँच–पाँच अंकों की कुल 2 व्याख्याएँ) 5×2=10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 5 अंक, छैमाही 5 अंक